BA-III Organisational Psychology

Q. मूल्य के संगठनात्मक महत्व की विवेचना करें।

Ans:- प्रत्येक समाज कुछ आदर्शों पर टिका होता है। सामाजिक जीवन के लिये भी आदर्शों की आवश्यकता होती है क्योंकि आदर्शों के बिना समाज की प्रगति व परिवर्तन की दिशा निर्धारित नहीं हो पाती है। ये आदर्श बताते हैं कि हमारी मंजिल क्या है। वास्तव में कुछ आदर्शों को अपने सामने रखकर ही समाज के सदस्य क्रियाशील होते हैं। यह देखा जाता है कि सामाजिक अन्तः क्रिया के दौरान समाज या सामाजिक जीवन के विभिन्न पक्षों के प्रति समाज का सदस्यों का एक विशेष दृष्टिकोण पनप जाता है। इन दृष्टिकोण के आधार पर ही हम इस बात की सामाजिक माप करते हैं कि अमुक वस्तु या सामाजिक घटना अच्छी है या बुरी, उचित है या अनुचित, समाज के लिए महत्वपूर्ण है या व्यर्थ। इन्ही विचारों या सामाजिक मापों के आधार पर समाज में विभिन्न सामाजिक घटनाओं की सामाजिक दृष्टिकोण की कीमत लगाते हैं।

(1) मूल्य का प्रभाव व्यक्ति की व्यवसाय-मनोवृत्तियों पर पड़ता है। जब व्यक्तियों का प्रवेश किसी संगठन में होता है तो उसके व्यवसाय के प्रति उनकी मनोवृत्ति के निर्माण में उनके मूल्य आधारभूमि का काम करते हैं।

(2) मूल्यों का प्रभाव संगठनात्मक व्यवहार पर प्रेरणा के नींव के रूप

में भी देखा जा सकता है अनुकूल संगठन में प्रवेश करने वाले व्यक्ति अपने मूल्य तंत्रों के के आलोक में ही अपना व्यवसाय के ~~लिए~~ प्रति अधिक या कम प्रेरित होता है।

(3) मूल्यों का महत्व प्रत्यक्षीकरण पर पड़ने वाले प्रभाव के रूप में भी देखा जा सकता है। अनुकूल या प्रतिकूल प्रत्यक्षीकरण या धारणा - निर्माण में मूल्यों का महत्वपूर्ण स्थान होता है।

Dr. Randhir Kumar
Dept of Psychology
Subject - Orgainational Psychology
Papper - VI
U. R. Collage Rosera Samastipur
9570435959, 9431852888